आधारभूत कारण थे। यही वजह थी जिन्होंने तलवार की जगह पर आकर मुसीबतों का सामना किया।''

''मोहम्मद मुस्ताफा (स.अ.) के जीवन की सफलता का एक बुनियादी कारण था उत्तम नैति व्यवहार जिसकी शक्ति तलवार की शक्ति से कही ज़्यादा अधिक है।''

''जसटीनियन की मौत के चार साल बाद (ए.डी. ५६९) मक्के में जो अरब में है, पैदा हुआ एक इन्सान जिसने आदमी प्रजाती पर सब से ज़्यादा असर डाला और उसका नाम था मोहम्मद (स.अ.)।''

''मोहम्मद साहब (स.अ.) के जीवन की छोटी से लेकर बड़ी अदा (व्यवहार, रहने का ढंग) आम लोगों के लिए सीख बनी और उनके माने वाले उनकी नक़्ल करते हैं। मानव इतिहास में किसी को इतना महत्व नहीं दिया गया कि उसकी अदा, व्यवहार या चाल-चलन को इतनी बारीकी से लोग नक़्ल करें। इसाई धर्म के निर्माण करता (ईसा मसीह) को भी लोगों ने इतनी निष्ठा के साथ नहीं माना। किसी भी धर्मगुरू को मोहम्मद साहब के जैसी प्रितष्ठा नहीं मिल सकी।''

क्या कहते हैं गैर मुसिलम रसूल लल्लाह के बारे में

''वह (मोहम्मद साहब) ज़्यादा खाना नहीं खाते थे और बहुत रोज़े रखते थे। शान औ शौकत से रहने के कायल नहीं थे। सादे कपड़े पहनते थे और सबको एक नजऱ से देखते थे। वह अपने दोस्तों को आर अन्जान लोगों का। अमीरों और गरीबों को, ताकतवर और कमज़ोर लोगों को एक नज़र से देखते थे। और उनकी शिकायत सुनते थे। अच्छी सेना, जो हमेशा विजयी होती थी, होने के बाद भी वह कभी अपने पर घमंड नहीं करते थे। और कभी ्पने कामों के लिए उसे इस्तेमाल नहीं करते थे। जब उनके पास काफी फौज और ताकत थी तब भी वह वैसे ही कपड़े और तरीकों से काम लेते थे जैसे जब वह मुसीबत में होते थे। जब वह किसी के घर जाते थे। और लोग उनकी ज़्यादा खातिर करते थे तब वह नाराज़ होते थे।''

''किसी भी व्यक्ति के लिए यह असम्भव है कि वह अरब में पैदा हुए खुदा के रसूल (मोहम्मद साहब) की ज़िन्दगी के बारे में पढ़े कि, कैसे वह पढ़ाते थे, कैसे वह रहते थे, और

उनकी इज़्ज़त दिल से न करे। अगर मैं आपको अपने विचार बताऊँ तो आप को लगेगा कि आप भी वैसा ही सोचते हैं मगर जब मैं मुहम्मद (स.अ.) के बारे में पढ़ाता हूँ तो मेरे अन्दर तारीफ के नए भाव पैदा होते हैं। अरब में पैदा हुए बड़े शिक्षक मुहम्मद साहब के लिए।''

''उनकी (मोहम्मद साहब) की याद्दाश्त (स्मरण शक्ति) बहुत अच्छी थी। उनकी समझ बहुत आसान और सामाजिक थ। उनके सोचने की शक्ति बहुत ज़्यादा थी। और उनका पैसला हमे साफ तेज और सही होता था। वह सीह सोचने और सही काम करने की शक्ति रखते थे।

''दुनिया के असरदार लोगों की लिस्ट मैं मोहम्मद साहब का नाम सबसे ऊपर है। यह पढ़ने वालों को अचम्भे में डाल सकता है कि मानव इतिहास में यही एक ऐसे व्यक्ति हैं जो सामाजिक एंव धार्मिक दोनों स्तर पर कामयाब रहे।

''उनका हमेशा तैयार रहना मुसिबतें सहने के लिए अगर वह सत्य के रास्ते में आए और उसके दोस्तों का उत्तम चरित्र जो उनको अपना सरदार मानते थे और उनके उच्च मक़सद की कामयाबी उनके उसूलों के सही होने का सबूत है।''

''मोहम्मद साहब विचारक बक्ता रसूल योद्धा बीस राज्यों के निर्माता और इस्लाम को फैलाने वाले हैं व्यक्ति है। अगर हम ईंसान की महानता को नापें और रसूल से उस,को मिलाएं तो हम यही कहेंगे कि है कोई को जो इनसे मोहम्मद महान हो।''

''मोहम्मद साहब सीज़र (राजा) और पोप (ईसाई संत) दोनों के गुण रखते थे। मगर वह ऐसे पोप थे जिन पर कोर्ट उंगली नहीं उठा सकता और बिना किसी सेनाके, बिना किसी अंगरक्षक के, बिना किसी महल के, बिना कर (टेक्स) के। अगर किसी को यह कहने का अधिकार है कि उसने ईश्वरीय शक्ति के राज्य किया तो वह मोहम्मद हैं। क्योंकि बिना किसी हिथयार और साहेर के वह बहुत ताकतवर थे।''

''मैं हमेशा से ज़्यादा उस दिन अपने इरादे में मजबूत हुआ जब मुझे पता चला कि इस्लाम को तलवार के दम पर नहीं फैलाया गया। उनकी (मोहम्मद साहब) सादगी की सघनता, उनकी अपने दोस्तों के लिए घनी (गहरी) मोहब्बत, अपने वादों पर डटे रहना, निडरता और खुदा पर अटूट विश्वास, उनके मिशन (उद्देश्य) की कामयाबी के कुछ